



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 14, 2005/पौष 24, 1926

No. 10]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 14, 2005/PAUSA 24, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

.( वाणिज्य विभाग )

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 2005

सं. 44/2004—2009

फा. सं. 01/92/180/168/ए. एम. 04/पी.सी.-II.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्द्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. सार्वजनिक सूचना सं० 32 दिनांक 15 दिसम्बर, 2004 द्वारा जोड़ा गया उप-पैरा 8.3.1 निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा :—

“8.3.1 नीति के पैरा 8.3(ग) के अनुसार माल की आपूर्तियाँ अन्तिम उत्पाद शुल्क को लौटाने के लिए पात्र होंगी बशर्ते कि माल प्राप्ति कर्ता ऐसे माल पर सेनवाट क्रेडिट/छूट का उपयोग नहीं करता । इसी प्रकार, नीति के पैरा 8.3(ख) के संबंध में मान्य निर्यात शुल्क वापसी निविष्टियों/संघटकों पर अदा किए गए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पर उपलब्ध होगा बशर्ते कि आवेदक द्वारा सेनवाट क्रेडिट सुविधा/छूट का उपयोग न किया गया हो । तथापि, माल की ऐसी आपूर्ति निविष्टियों/ संघटकों पर अदा किए गए सीमाशुल्क पर मान्य निर्यात शुल्क वापसी के लिए पात्र होगी” ।

2. उपपैरा 8.4.1 का पहला वाक्य निम्नलिखित रूप से संशोधित किया जाएगा :

“नीति के पैरा 8.2(ख) के अन्तर्गत आपूर्तियों के संबंध में मान्य निर्यात एवं डी एफ आर सी के लिए अग्रिम लाइसेंस के अलावा, विकास आयुक्त अथवा संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी से मान्य निर्यात लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।”

3. उप पैरा 8.6 (ii) के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :-

“नीति के पैरा 8.2(ख) के अन्तर्गत आपूर्तियों के संबंध में जहाँ आपूर्तिकर्ता लाइसेंसिंग प्राधिकारी से लाभ पाना चाहते हैं, लाइसेंसिंग प्राधिकारी डी टी ए आपूर्तिकर्ता को मान्य निर्यात लाभों की अनुमति देते समय, निहित सौदे की पुष्टि के लिए बीजकों के ब्यौरों, जिनके अन्तर्गत मान्य निर्यात लाभ दिए गए हैं, सहित संबंधित विकास आयुक्त को एक प्रति भेजेगा” ।

4. सार्वजनिक सूचना सं० 32 दिनांक 15 दिसम्बर, 2004 के द्वारा जोड़ा गया शीर्षक “अन्तिम उत्पाद शुल्क/शुल्क वापसी को लौटाने के लिए आवेदन प्रपत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज” के तहत क्रम सं० क (8) निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा :-

“(8) क. ऐसे मामलों में, जहाँ माल का आपूर्तिकर्ता केन्द्रीय उत्पाद के केन्द्रीय उत्पाद पंजीकरण सं० और केन्द्रीय उत्पाद प्राधिकारी जिसके साथ प्राप्तकर्ता पंजीकृत है, के विवरण सहित माल के प्राप्तकर्ता से सेनवाट क्रेडिट/छूट के लाभ प्राप्त न करने का एक स्व घोषणापत्र देगा। ऐसे मामलों में जिसमें प्राप्तकर्ता केन्द्रीय उत्पाद के साथ पंजीकृत नहीं है तो प्राप्तकर्ता को इस आशय का घोषणापत्र देना होगा।

ख. आवेदक द्वारा यह दर्शाता हुआ स्व घोषणा-पत्र कि आपूर्ति किया गया माल उत्पाद शुल्क योग्य नहीं है अथवा माल उत्पाद शुल्क योग्य है किन्तु माल के प्राप्तकर्ता को सेनवाट/छूट सुविधा उपलब्ध नहीं है।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

## PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 14th January, 2005

No. 44/2004—2009

F. No. 01/92/180/168/AM 04/PC-II.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009 the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures, (Vol. I) :—

- (1) Sub-para 8.3.1 incorporated vide Public Notice No.32 dated 15<sup>th</sup> December, 2004 shall be amended as under:-

**“8.3.1 Supply of goods will be eligible for refund of Terminal Excise Duty in terms of para 8.3 ( c ) of Policy provided the recipient of the goods does not avail CENVAT credit /rebate on such goods. Similarly, supplies will be eligible for deemed export drawback in terms of para 8.3(b) of Policy on the Central Excise paid on inputs/components, provided CENVAT credit facility/rebate has not been availed by the applicant. However, such supplies will be eligible for deemed export drawback on the customs duty paid on the inputs/components.”**

2. The first sentence of sub-para 8.4.1 shall be amended as under:-

**“In respect of supplies under paragraph 8.2(b) of the Policy, except Advance Licence for deemed exports and DFRC, the deemed export benefits may be claimed from the Development Commissioner or the Licensing Authority concerned.”**

3. At the end of sub-para 8.6(ii), following shall be added.:-

**“ In respect of supplies under paragraph 8.2(b) of the Policy where the supplier wants to claim benefits from the licensing authority, the Licensing Authority while allowing deemed export benefits to the DTA supplier, will endorse a copy of the communication to the concerned Development Commissioner along with the details of invoices against which deemed export benefits have been allowed for confirmation of the transaction involved”.**

(4) Sl. No. A (viii) under the heading **“Documents to be enclosed with the application form for refund of Terminal Excise Duty/ Duty Drawback”** incorporated vide Public Notice No.32 dated 15<sup>th</sup> December, 2004 shall be amended as under:-

**“(viii ) a. A self declaration of non-availment of CENVAT credit/rebate from the recipient of goods along with the details of the Central Excise Registration No. and the Central Excise Authority, with whom the recipient is registered. In cases, where the recipient is not registered with central excise, a declaration to this effect is to be given by the recipient.**

**b. A self declaration by the applicant stating that the goods supplied are either not excisable or the goods are excisable but CENVAT/rebate facility is not available to the recipient of the goods.”**

This issues in Public Interest.

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade